नव वर्ष आगमन पर शुभ कामना

सब करे साधन उपस्थित मनुज को नव वर्ष ।
सुफलता धारें सकल उद्यम मिले नित हर्ष ।
मोह मदजा रजनि बीते रुके नर अपकर्ष ।
अवतरित शम हो हृदय में अस्त हो अनुतर्ष ।।

बढ़े जन मन में परस्पर प्रीति और प्रतीति ।
मनुज निज कर्तव्य पालें अविचलित गतभीति ।
मन लता पर प्रस्फुटित हो सरव्य सुमन सगंध ।
बने अन्तर क्षीरनिधि सा शुभ्र मृदु निर्बंध ।।

बने प्राचीवत मनीषा सूत ज्ञान प्रभात ।
सकल संसृति सूत्र सद्यः हो उठे प्रतिभात ।
फिर उठे आभा अमल जागे दिशा यह पूर्व ।
अखिल जग अनुभूत हो आह्लाद दिव्य अपूर्व ।।

- शिव कुमार मिश्र

28 दिसंबर 2018.
भोपाल